


---

Kalakrita Shiva Stava

——  
कालकृतः शिवस्तवः

——  
Document Information



---

Text title : Kalakrita Shiva Stava

File name : kAlakRRitashivastavaH.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shivAkhyah chaturthAMshaH | adhyAyaH 15 | 18-24||

Latest update : August 20, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 21, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



कालकृतः शिवस्तवः



कालकाल सुरबन्ध शङ्कर व्यालमाल गरनील महेश ।  
व्योमकेश शशिचूड रक्ष मां पक्षपातजट्टशा परिपाहि ॥ १८ ॥  
दक्षमन्युकृतशिक्ष वीक्ष्य मां कुक्षिणाखिलजगत् त्रिपुरारे ।  
पाहि मामविद्यावलोकनैः शाधि मामतिमयात्तव शम्भो ॥ १९ ॥  
कुण्डलीशकृतकुण्डल शम्भो चण्डपापहरणं तव नाम ।  
सूकराण्डजगती मृगयन्तौ मौलिमूलमथ ते सुरनाथ ॥ २० ॥  
मथितमदनकाय भीम शम्भो मथुमथनाम्बुरुहाक्षिपूज्यपाद ।  
धृतगङ्गासुतरङ्गमौलिभागान्धकशत्रो परिपाहि मां दृशाद्य ॥ २१ ॥  
उक्षाधीश्वर केतनोरुचिरापाङ्गावलोकनेन मां  
पाहीशान दयानिधान भगवन् कारुण्यवारान्निधे ।  
शाधीशान तवाज्ञयैव सहसा लोकं च रागात्मकं  
पुण्यः पापवरैर्नियुक्तभवकं कुर्वे जगत् स्वस्तितः (स्वामितः) ॥ २२ ॥  
देवाज्ञापय देवदेव भगवन् सर्वज्ञ साम्ब प्रभो  
के वा त्वत्पदपूजकाः प्रतिभवं क्षेत्राणि कान्येव ते ।  
के शैवास्तव सम्मताः शिवरतास्तेषां वद त्वं प्रभो  
त्वत्सेवां करवाणि शूलवरधृक्पाणे प्रियां शङ्कर ॥ २३ ॥  
नातस्ते प्रपदाम्बुजार्चनरतान्स्वप्नेऽपि मन्ये सदा ॥ २४ ॥  
॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते शिवाख्ये कालकृतः शिवस्तवः सम्पूर्णः ॥  
- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शिवाख्यः चतुर्थांशः । अध्यायः १५ । १८-२४ ॥

Notes: Yama यम attempts to appease Śiva शिव as He manifests out of the Śivaliṅga शिवलिङ्ग for protecting Mārkaṇḍeya मार्कण्डेय from death and is disgruntled with Yama यम.

Proofread by Ruma Dewan

---

*Kalakrita Shiva Stava*

pdf was typeset on August 21, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

